

डॉक्टरों पर कार्रवाई के निर्देश युगलपीठ ने किये रद्द

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने दिव्यांगता प्रमाण पत्रों में अंतर पाए जाने पर डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई तथा तीन-स्तरीय सत्यापन व्यवस्था लागू करने संबंधी सिंगल बेंच के आदेश को निरस्त कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि दिव्यांगता का निर्धारण कोई गणितीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाने वाला मेडिकल असेसमेंट है। ऐसे में अलग-अलग मेडिकल बोर्डों के आकलन में कुछ प्रतिशत का अंतर स्वाभाविक माना जाएगा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, जानबूझकर गलत प्रमाण पत्र जारी करने या दुर्भावनापूर्ण आचरण के ठोस साक्ष्य न हों, तब तक डॉक्टर को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह फैसला सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा दायर अपील पर सुनाया गया। राज्य सरकार ने 30 जनवरी 2024 को पारित सिंगल बेंच के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें दिव्यांगता प्रमाण पत्रों की जिला, संभाग और राज्य स्तर पर तीन-स्तरीय जांच व्यवस्था बनाने तथा पांच प्रतिशत से अधिक अंतर मिलने पर संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

तीन-स्तरीय सत्यापन का प्रावधान नहीं

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ब्रह्मदत्त सिंह ने तर्क दिया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016, उसके तहत बने नियमों तथा केंद्र व राज्य सरकार की अधिसूचनाओं में दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने, पुनः परीक्षण और अपील की पूरी वैधानिक व्यवस्था पहले से मौजूद है। खंडपीठ ने इस दलील से सहमति जताते हुए कहा कि वर्तमान कानून में तीन-स्तरीय अनिवार्य सत्यापन प्रणाली का कोई प्रावधान नहीं है। न्यायालय विधायिका द्वारा बनाए गए कानून में

दिव्यांगता का निर्धारण गणितीय प्रक्रिया नहीं



संशोधन किए बिना नई प्रक्रिया लागू करने का निर्देश नहीं दे सकती।

रिट याचिका के दायरे से बाहर थे निर्देश

अदालत ने कहा कि मूल रिट याचिका का उद्देश्य केवल दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण लागू कराना और बैकलॉग पदों को भरने तक सीमित था। याचिका में न तो दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को चुनौती दी गई थी और न ही अतिरिक्त मेडिकल बोर्ड गठित करने की मांग की गई थी। ऐसे में सिंगल बेंच द्वारा तीन-स्तरीय व्यवस्था लागू करने और डॉक्टरों पर कार्रवाई के निर्देश देना रिट याचिका के दायरे से परे था।

सरकार कानून में संशोधन कर सकती है

हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि राज्य सरकार भविष्य में तीन-स्तरीय सत्यापन व्यवस्था को आवश्यक समझती है, तो वह कानून में संशोधन कर इसे लागू कर सकती है। हालांकि, वर्तमान वैधानिक व्यवस्था को दरकिनार कर अदालत ऐसा निर्देश नहीं दे सकती। साथ ही न्यायालय ने कहा कि दिव्यांगता प्रमाण पत्र से असंतुष्ट व्यक्ति के लिए अधिनियम के तहत अपील का प्रावधान पहले से उपलब्ध है। कुछ फर्जी प्रमाण पत्रों के सामने आने मात्र से पूरी व्यवस्था को विफल नहीं माना जा सकता।

केन्द्र-राज्य सरकार से मांगी ठोस कार्ययोजना

साइबर अपराध पर हाईकोर्ट सख्त

जबलपुर। मध्यप्रदेश में लगातार बढ़ रहे साइबर अपराधों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि ऐसे मामलों में न्यायालय मूकदर्शक नहीं बना रह सकता। कोर्ट ने केन्द्र और राज्य सरकार को नागरिकों को साइबर ठगी से बचाने के लिए प्रावधानों एवं ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, हर साइबर अपराध के पीछे एक पीड़ित की कहानी होती है। छोटे व्यापारी और मजदूर अपनी वर्षों की कमाई कुछ ही मिनटों में गंवा देते हैं। ऐसे पीड़ितों को न्याय के लिए दर-दर भटकने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

72 वर्षीय महिला की याचिका पर सुनवाई

यह टिप्पणी जबलपुर निवासी 72 वर्षीय चैताली मित्रा की याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई। याचिका में बताया गया कि वर्ष 2025 में साइबर ठगी ने उनके साथ 6.25 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। विभिन्न विभागों में शिकायत के बावजूद प्रावधानों कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली। मामले की अगली सुनवाई 6 अगस्त 2026 को निर्धारित की गई है।

रिजर्व बैंक से मांगा विस्तृत जवाब

नवाई के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने दलील दी कि वह केवल बैंकिंग नियामक है और बैंक कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आती। इस पर कोर्ट ने कहा कि बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 के तहत आरबीआई को व्यापक वैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। न्यायालय ने आरबीआई को तीन कार्य दिवस के भीतर शपथपत्र प्रस्तुत कर यह स्पष्ट करने के निर्देश दिए कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए उसके पास क्या वैधानिक शक्तियां हैं तथा गृह मंत्रालय की एसओपी का पालन नहीं करने वाले बैंकों के खिलाफ वह क्या कार्रवाई कर सकता है।

पुलिस अधिकारियों को फिलहाल राहत

मामले में पश्चिम बंगाल, असम, झारखंड के पुलिस महानिदेशकों तथा जबलपुर के पुलिस अधीक्षक द्वारा जांच की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद हाईकोर्ट ने फिलहाल उनकी व्यक्तित्वगत उपस्थिति से छूट प्रदान कर दी। वहीं, जबलपुर पुलिस ने अदालत की अवगत कराया कि इस मामले में पश्चिम बंगाल से एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

शिवालयों में होंगे धार्मिक अनुष्ठान

सावन का पहला सोमवार आज

जबलपुर। भगवान शिव की भक्ति और प्रकृति के श्रंगार से जुड़े श्रावण मास का आज पहला सोमवार 3 अगस्त को पड़ रहा है। शिवालय में अच्छी खासी भीड़ नजर आने लगी है। पूरे सावन माह में शिव की आराधना का दौर चलेगा। सभी शिव मंदिरों में हर-हर महादेव की गुंज सुनाई देने लगी है। आज पहले सावन सोमवार पर शिवालयों का नजारा कुछ और ही होगा। सुबह से ही दुग्धाभिषेक और जलाभिषेक होंगे वहीं महिलाएं सावन सोमवार का उपवास रखकर भगवान भोलेनाथ से अपने पति की लंबी आयु की प्रार्थना करेंगी। श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ को बिल्वपत्र (बेलपत्री) के साथ-साथ कच्चा दूध, सफेद, फल, धतूरा, भस्मी, भांग व सुगंधित द्रव्य खासतौर पर अर्पित की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन मास में शिवजी को एक बेलपत्री चढ़ाने से 3 जन्मों के पापों का विनाश होता है। सावन मास में नगर में अनेक स्थानों पर परंपराानुसार श्रावणी मेले भरते हैं। श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, कचनार सिटी बड़े शिवालय, श्री पाटबाबा मंदिर, श्री शारदा मंदिर मदन महल, श्री मंगलचण्डी माता मंदिर बधैया मोहल्ला, पिंपलेश्वर महादेव मंदिर, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, में सावन मास के मेले आयोजित होते हैं। मदन महल के शारदा मंदिर में सबसे पुराना श्रावणी मेला लगता है। मदन महल की सूर्य्य वादियों के बीच ऊंचाई पर स्थित मंदिर में पहुंचने पर प्रकृति की अनुपम छटा का भी दर्शन होता है। चारों तरफ हरियाली और पहाड़ी का मनोरम दृश्य नजर आता है। यहां बड़ी संख्या में लोग



मातारानी के दर्शन करने और लाल निशान (ध्वज) चढ़ाने बड़ी श्रद्धा और आस्था के साथ बाजे गाजे लेकर पहुंचते हैं। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को मेले का माहौल रहता है। इसके अलावा कचनार सिटी, श्री पाटबाबा मंदिर, श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में भी सावन मास के मेले आयोजित होते हैं।

महादेव की शाही यात्रा अगले सोमवार को

गत वर्ष की भांति इस वर्ष गुप्तेश्वर महादेव मंदिर से भोलेनाथ की शाही सवारी 10 अगस्त को द्वितीय सावन सोमवार को नगर भ्रमण करेगी। उज्जैन के महाकाल की तर्ज पर शहर में गुप्तेश्वर महादेव भगवान भी प्रजा का हाल जानने निकलेंगे। डॉ. स्वामी मुकुंद दास महाराज ने कहा कि सावन मास में प्रतिदिन भोले बाबा का विशेष श्रृंगार किया जाता है। भगवान की आकर्षक शोभायात्रा सबसे पहले गुप्तेश्वर क्षेत्र का भ्रमण करेगी। उसके पश्चात दशमेशद्वार, मदन महल, शास्त्री ब्रिज, बस स्टेण्ड, गंजीपुरा, बड़ा फुहारा, सराफा, कोतवाली होते हुए हनुमानताल पहुंचेगी। शोभायात्रा में गुप्तेश्वर पीठाधीश्वर मुकुंददास महाराज, स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी, पगलानंद महाराज, नृसिंहदेवाचार्य, आदि उपस्थित रहेंगे।

भोलेनाथ के नित श्रृंगार का समय

मानसून की दस्तक के बाद जब धरती की चादर मानसून की रिमझिम फुहारों से भीगने लगती है, उसके बाद प्रतिवर्ष सावन का आगमन मोहक होता है। श्रावण मास का धार्मिक महत्व जगजाहिर है। यह भोलेनाथ के नित श्रृंगार का समय है। श्रावण के सोमवार भोलेनाथ को सर्मापित होते हैं। सनातन परंपरा में श्रावण का अत्यधिक धार्मिक महत्व है, साथ ही सावन का यह मौसम मेहंदी रचाने और झूला झूलने का भी है।

बिजली कंपनियों में आश्रितों को नई नियुक्ति में 3 वर्ष सीपीसीटी की छूट भी दी जाए: राकेश पाटक

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाटक ने कहा कि ऊर्जा विभाग द्वारा जारी सविदा आधार पर नियुक्त अनुकंपा आश्रितों को नियमित नियुक्ति प्रदान करने के आदेश में अनेक विसंगतियां होने कारण सभी संबंधित कर्मचारी बहुत ही हताश निराश और परेशान हैं जिन्हें दूर नहीं किया गया तो वर्षों से इंतजार कर रहे इन अनुकंपा आश्रितों को इसका समुचित लाभ नहीं मिल पाएगा। अर्थात इस अच्छे निर्णय के बावजूद सविदा अनुकंपा आश्रित नियमित नियुक्ति प्राप्त नहीं कर पाएंगे। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाटक ने कहा कि मध्यप्रदेश ऊर्जा विभाग के आधीन सभी बिजली कंपनियों में मध्यप्रदेश शासन के सारे नीति नियम कानून, निर्णय और आदेश लागू होते हैं। राज्य शासन के आदेश के अनुसार ही सभी श्रेणियों के कर्मचारियों और पेंशनर्स को सभी प्रकार के लाभ प्रदान किए जा रहे हैं। राज्य शासन द्वारा अपने अनुकंपा आश्रितों को नियमित नियुक्ति देने के साथ तीन वर्ष की सीपीसीटी की परीक्षा पास करने की सुविधा दी जा रही है किन्तु इस आदेश का लाभ बिजली कंपनियों में नहीं दिया जा रहा है। राकेश डी पी पाटक ने ऊर्जा सचिव, सीएमडी पावर मैनेजमेंट और सभी एमडी गणों से अनुरोध किया है कि राज्य शासन के द्वारा अनुकंपा आश्रितों को सीपीसीटी में तीन वर्ष की छूट का आदेश बिजली कंपनियों में भी तत्काल लागू कर सभी अनुकंपा आश्रितों को इसका समुचित लाभ प्रदान कर उन्हें नई नियुक्ति देने का कष्ट करें।



पुलिस लाइन में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, 173 लोगों की हुई जांच

जबलपुर। पुलिस लाइन अस्पताल में जबलपुर हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी कल्याण संघ के सदस्यों, उनके परिजनों एवं पुलिस लाइन के पुलिस परिवारों सहित करीब 200 लोगों ने भाग लिया। इसमें से 173 लोगों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया गया। शिविर में जबलपुर हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राजेश धीरावाणी के नेतृत्व में डॉ. नितिन चौधरी, डॉ. आरुषि जैन, डॉ. शब्द सिंह एवं डॉ. विपिन यादव ने अपनी सेवाएं दीं। पूर्व उप पुलिस महानिरीक्षक मनोहर वर्मा और संघ के अध्यक्ष राजेश तिवारी ने डॉ. राजेश धीरावाणी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। वहीं ए.पी. तिवारी, मिथलेश तिवारी, आर.एस. कालरा, डी.एल. तिवारी, विनोद श्रीवास्तव, ओमप्रकाश परवार, अखिल वर्मा एवं सचिव अशोक तिवारी ने चिकित्सकों की टीम का सम्मान किया। शिविर में सेवानिवृत्त डीएसपी हेमंत तिवारी, रवींद्र गौतम, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, सुशील चौहान, कौशल सिंह, डी.एल. तिवारी, विनोद श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और सदस्यों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

तबादलों के बाद भी नहीं सुधरी सफाई व्यवस्था, कई इलाकों में गंदगी से नागरिक परेशान

जबलपुर। नगर निगम में कुछ दिन पहले हुए ठेकबंद तबादलों के बाद शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन हालात इसके उलट नजर आ रहे हैं। शहर के तुलाराम चौक, करमचंद चौक, माता गुजरी कॉलेज के आसपास तथा अंधेरदेव मस्जिद के सामने गंदगी के ढेर लगे होने से स्थानीय नागरिकों में नाराजगी है। बारिश के मौसम में फैली गंदगी से संक्रमक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। नागरिकों का कहना है कि संबंधित अधिकारियों का इन क्षेत्रों की ओर ध्यान नहीं है, जबकि यह स्थिति सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। स्थानीय लोगों ने विशेष रूप से अंधेरदेव मस्जिद के सामने



स्थित ट्रस्ट की खाली जमीन का मुद्दा उठाया है। उनका कहना है कि यहां बड़ी संख्या में आवारा मवेशी और सूअर विचरण करते हैं, जिससे क्षेत्र में लगातार गंदगी फैल रही है। बारिश के कारण हालात और भी खराब हो गए हैं तथा आसपास रहने और आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि इन क्षेत्रों में तत्काल विशेष सफाई अभियान चलाया जाए, नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा आवारा मवेशियों और सूअरों की समस्या का भी स्थायी समाधान किया जाए, ताकि लोगों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके।

मथहूर कव्वाल अजीम नाजा की कव्वाली आज

जबलपुर। मुस्लिम बहुल क्षेत्र मंडी मदार टेकरी स्थित हजूरत सैय्यदना शहाबुद्दीन उर्फ मौलाना मखदूम अलीसुरेहमान रहमतुल्लाह अलैह के उर्स मुबारक के अवसर पर आज सोमवार रात्रि 10 बजे जमीअतुल कुरेश के तत्वावधान में मंडी मदार टेकरी जाना मस्जिद के सामने मव्य कव्वाली महफिल का आयोजन किया जा रहा है। रात्रि 10 बजे से आयोजित होने वाली इस रुहानी महफिल में मुख्य अतिथि विधायक लखन घनघोरिया, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक विनय सक्सेना तथा विशेष अतिथि हाजी कदर सैनी एवं मतीन अंसारी उपस्थित रहेंगे। महफिल की खास आकर्षण हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल अजीम नाजा होंगे, जो अपने साधियों के साथ सुफियाना कलाम पेश करेंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष अमीन कुरेशी, हाजी निजाम कुरेशी, टीपू कुरेशी, डॉ. ताजदर चौधरी, रियाज कुरेशी, जानिसार अख्तर एवं अन्य सदस्यों ने शहरवासियों और अर्कद्वतमंदों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस रुहानी महफिल की बरकतें हासिल करें।

सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ व महाआरती आयोजित

जबलपुर। अधारताल थाना क्षेत्र की वेंकेश्वर बिहार कॉलोनी स्थित न्यू रामनगर के लगभग 16 वर्ष पुराने प्राचीन शिव मंदिर में शिवलिंग, भगवान हनुमान सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं खंडित अवस्था में मिलने से क्षेत्र मर तनाव और आक्रोश का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मंदिर परिसर पहुंच गए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

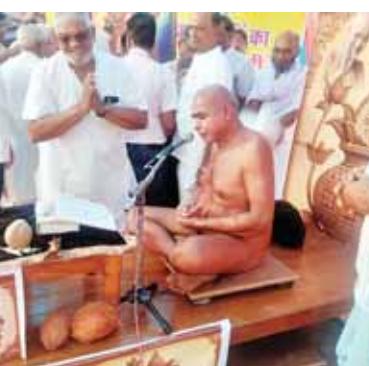
घटना की जानकारी मिलने पर राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे और मंदिर का निरीक्षण किया। धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने तथा क्षेत्र में शांति और सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से स्थानीय नागरिकों के सहयोग से मंदिर परिसर में सामूहिक श्रीहनुमान चालीसा पाठ एवं महाआरती का



आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धार्मिक एकता का संदेश दिया। राष्ट्रीय बजरंग दल के महाकोशल प्रांत मंत्री अर्पित सिंह ठाकुर ने प्रशासन से मांग की कि मंदिर में हुई तोड़फोड़ एवं प्रतिमाओं को खंडित किए

जाने की घटना की निष्पक्ष और शीघ्र जांच कर दोषियों की पहचान की जाए तथा उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बना रहे।

गुरु ने शिष्य को जो दिया उसे आगे बढ़ाना ही हमारा अभियान: मुनिश्री प्रबुद्ध सागर जी महाराज



जबलपुर। मुनिश्री ने आचार्य परम्परा को स्मरण करते हुए कहा कि उसी विरासत को आगे बढ़ाना है। आचार्यश्री की समाधी पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करने वालों को दो टुक कहा जब-जब महान तपस्वी साधना की ओर उत्कृष्ट सीमा

पार करते हैं तब उपसर्ग हुआ करते है ।

प्रातः मुनिश्री प्रबुध्दसागर महाराज का वर्षायोग २०२६ चातुर्मास मंगल कलश

स्थापना समारोह जैन बोर्डिंग हाउस

सोसायटी गोलबाजार के प्रांगण में आयोजित

किया गया। समारोह के प्रारंभ मे मंगलाचरण

का पाठ श्रीमती साधना जैन ने किया'

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के तैलचित्र के समय ट्रस्ट कमेटी

के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित किया' श्री जी का अभिषेक किया

गया। धर्ममय वातावरण में हुई मंगल कलश स्थापना धर्ममय वातावरण में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना का प्रथम कलश प्राप्त करने का सौभाग्य मुनिश्री के गृहस्थ जीवन के परिजनों पंकज विद्यार्थी मुकेश विद्यार्थी, राजकुमार विद्यार्थी को मिला, द्वितीय कलश छोटेलाल सुपारी, तृतीय कलश सुरेश कुमार नरेश कुमार, चौथा कलश प्रदीप लक्ष्मी, सुबोध कामरेड, अशोक जैन, को प्राप्त हुआ। समारोह में डी. एन. जैनबोर्डिंग हाउस सोसायटी के अध्यक्ष सत्येन्द्र जैन 'जुगु' सचिव संजय (आर. व्ही) ट्रस्टी प्रभात जैन, आनंद सिंघई, अमित जैन, समीर सिंघई, पंकज सिंघई, प्रवीण सिंघई के अलावा जैन समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

प्राचीन शिव मंदिर में प्रतिमाएं खंडित मिलने से भड़का आक्रोश



कार्यक्रम में प्रिया गर्ग, सरिता तिवारी, एकता ठाकुर, सुदामा तिवारी, मथुरा ठाकुर, सावित्री विश्वकर्मा, सुनीता यादव, मौनू श्रीवास्तव, विनीता चौबे, सावित्री राव, अधिवक्ता अभिषेक उपाध्याय, अधिवक्ता अमित उपाध्याय, अधिवक्ता सोनू

श्रीवास्तव, अधिवक्ता विकास तोमर, अधिवक्ता मयूर कनोजिया, छोटू शर्मा, मुकेश गौतम, राहुल पटेल, दीपक ठाकुर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय कार्यकर्ता, कॉलोनीवासी एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गोलछा आर्थोकेयर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का कारनामा

मरीजों की जान के साथ हो रहा खिलवाड़

जबलपुर। स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही के चलते नगर में चिकित्सा नियमों की धजियां उड़ते हुए निजी अस्पतालों द्वारा तरह-तरह के कारनाम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गौरीघाट रोड पर आदर्श नगर में स्थित गोलछा आर्थो केयर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मरीजों को जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस हॉस्पिटल के संचालक द्वारा अस्पताल के बेसमेंट में घायल मरीजों को भर्ती कर उनका उपचार किया जा रहा है। बताया जाता है कि इस अस्पताल में केवल एम्बुसीटेल मरीजों का इलाज किया जाता है।

बेसमेंट में चलाया जा रहा हॉस्पिटल

....तो भागने की जगह नहीं मिलेगी- हाल ही में अस्पताल में आग लगने की अनेक घटनाएं हो चुकी हैं इनमें कई मरीजों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। इस सबबध में शिकायत करने वाले जागरूक लोगों का कहना है कि यदि कभी अस्पताल के बेसमेंट में आग लगने की घटना होती है, तो घायल मरीज वहां से भागकर अपनी जान कैसे बचावेंगे। सबसे अधिक आश्चर्य में डालने वाली बात ये है कि इतनी बड़ी विस्मृति के बावजूद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय जबलपुर द्वारा कैसे इस अस्पताल का पंजीयन कर दिया गया। अनेक जागरूक लोगों ने जिला कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मांग की है कि इस हॉस्पिटल का पंजीयन निरस्त कर उसे तत्काल बंद करया जाए ताकि यहां मर्ती होने वाले मरीजों जान पर संकट न आए।

सावन के पहले सोमवार को बाबाताल में पार्थिव शिवलिंग

हर हर महादेव से गुंजेंगे शिवालय

सिहोरा। भगवान भोलेनाथ की भक्ति का पावन महिना श्रावण मास प्रारंभ हो गया है आज पहले सावन सोमवार को जहां नगर उपनगर के सभी शिव मंदिरों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे तो वहीं ब्राह्मण समाज सिहोरा के तत्वावधान में इस वर्ष भी शिव मंदिर बाबताल में सुबह 7 बजे से 12 बजे तक विशाल पार्थिव शिवलिंग निर्माण के बाद अभिषेक होगा। सभी से पहुंचने की अपील समाज द्वारा की गई है।

शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा आज

हनुमान मंदिर स्टेशन रोड खितौला बाजार में देवाधिदेव महादेव शिव शंकर (शिवलिंग) की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा का पावन अनुष्ठान आज आयोजित किया जा रहा है। पुजारी सुनील द्विवेदी ने इस मंगलमय अवसर पर सभी भक्तों से पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करने एवं भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

अखंड रामायण पाठ का आयोजन

श्रावण मास प्रारम्भ होते ही वार्ड 16 एस एस कालेज रोड खितौला स्थित भगवान शंकर,पवन पुत्र हनुमान,आदिशक्ति दुर्गा जी के मंदिर में अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया है जो अनवरत एक महा तक जारी रहेगा। आयोजन में



पहुंचने की विनिता तिवारी,मनोरमा पांडे,गोली तिवारी,सुशील तिवारी,भगत पटेल,दामोदर पटेल,राकेश पटेल,निककी मिश्रा,राकेश बर्मन,रूप चंद पटेल,बिनोद चौरसिया,प्रमोद यादव आदि ने की है।



बरेला में आर्थिका संघ के पावन वर्षा योग हेतु कलश स्थापना समारोह संपन्न

बरेला। राष्ट्र सन्त पूज्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य चर्चा शिरोमणि आचार्य समय सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं आज्ञा से तथा पूज्य आर्थिका गुरु मति माताजी एवं दृढमति माताजी की संघस्थ आर्थिका द्वय पूज्य 105 धारणामति माताजी एवं मुदितमति माताजी के पावन वर्षा योग हेतु कलश स्थापना का कार्यक्रम वा.ब्र. प्रदीप 'पीयूष' शास्त्री जी के कुशल संयोजन में दिगंबर जैन पंचायत सभा के तत्वावधान में, श्री विद्या शैल धाम में संपन्न हुआ। प्रथम चरण में कु. हर्षिता व निहारिका, सुनीता (सडोरा) एवं ब्रम्हाचारिणी दीदीगण द्वारा मंगलाचरण किया गया तत्पश्चात नेहा व पलक द्वारा श्री पार्श्वनाथ चालीसा, मिसिका, समीक्षा व अनिका द्वारा नृत्य एवं बहु मण्डल द्वारा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं। आचार्य श्री के संगीतमय अष्ट द्रव्य की पूजन में समाज के सभी वर्गों, संगठनों तथा आगन्तुक अतिथियों ने सहभागिता प्रदान की। श्रावक श्रेष्ठियों ने बोलियों के माध्यम से कलश लिये।

आर्य कन्या विद्यालय में पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। आर्य कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नैपियर टाउन, जबलपुर में पर्यावरण संरक्षण एवं संतुलन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से “वृक्षों की महत्ता” विषय पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भाषण, कविता, गीत एवं निबंध प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर एवं आसपास लगभग 150 पौधों का रोपण किया गया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला गवर्नर (लायंस क्लब) राजीव अग्रवाल एवं डॉ. नीरज बडेडिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायंस क्लब की अध्यक्ष मीना गुप्ता ने



की, जबकि सचिव उमेश जैन उपस्थित रहे। इस अवसर पर भरत अग्रहरि सहित पर्यावरण संरक्षण एवं सर्वेक्षण से जुड़े श्रद्धा साहू, मौली जैन, सुनीता जैन, ज्योति

रही। आर्य समाज की ओर से डॉ. अरुण कक्कड़, विद्यालय के प्राचार्य आशीष द्विवेदी, इंजीनियर अशोक नेहरा, श्रवण कोचर, एकता कोचर (मंत्री), मुकुल व्योत्रा, डॉ. रश्मी सक्सेना, प्रधान डॉ. कुमार अरुण सिंह, प्रधान सुमेंद्र माहेश्वरी एवं पंचम झा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना था। सभी अतिथियों ने वृक्षारोपण को समय की आवश्यकता बताते हुए प्रत्येक नागरिक से अधिकाधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह संग्रहालय संचालन समिति बनाई जाए गोंडवाना संरक्षण संघ ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जननायक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जबलपुर आगमन पर गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ के प्रतिनिधि मंडल ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस कंवेक्शन हॉल गीता भवन में आदिवासी परंपरा अनुसार गमछा, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष किशोरीलाल भलावी, राजेन्द्र चौधरी ने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा जिसमें उनसे मांग की गई कि राजा शंकर शाह और कुं. रघुनाथी शाह स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय के सुचारु संचालन के लिए एक समिति गठित की जाए, जिसमें गढ़ा गोंडवाना संघ जबलपुर के पदाधिकारियों को शासकीय सदस्य के रूप में शामिल किया जाए। बताया गया गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ ने गृहमंत्री, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय और राज्य सरकार



को ज्ञापन दिया था, किन्तु इंटेक कंपनी ने विधिवत कार्य नहीं किया, जिस स्थान पर बावनगढ़ का कीर्ति स्तंभ बनाया जाना था वहां पर बिजली के पोल लगा दिए गए और उसके आगे शौचालय भी बना दिया गया। मांग पर मुख्यमंत्री ने आश्चस्त किया कि अतिशीघ्र एक संचालन समिति का गठन किया जाएगा। कार्यक्रम में गोंडवाना संरक्षण संघ के अजय झारिया कार्यवाहक

अध्यक्ष, जगदीश नन्हेट, राजेन्द्र कापसे, सरमन रजक, अनुराग सिंह, गयाप्रसाद धुवें, सुरेन्द्र लखेरा, अनिल परस्ते, तीरथ सिंह, भानसिंह तेकाम, महेश बट्टी, f सवनी लखनादौन से केवल प्रसाद परस्ते, पंचायत इंस्पेक्टर श्याम सुंदर ठाकुर, परमलाल कुरेती, आकाश सोनकर, शिवकुमार, बानसिंह मरावी पंडा, पन्ना से लल्लू सिंह आदि ने सहभागिता की।



दो दिवसीय निःशुल्क श्रवण क्षमता शिविर में 200 से अधिक हितग्राही हुए लाभान्वित स्वर्गीय डॉ. कैलाश नाथ मेहरा की प्रथम पुण्यतिथि पर निःशुल्क प्रदान किए गए श्रवण यंत्र

जबलपुर। स्वर्गीय डॉ. कैलाश नाथ मेहरा की प्रथम पुण्यतिथि के पावन अवसर पर वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक प्रा. लि - द्वारा आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क श्रवण क्षमता जाँच एवं परामर्श शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर के दौरान दो दिनों में 200 से अधिक शिशु, बच्चे, वयस्क एवं बुजुर्ग लाभान्वित हुए, उनकी श्रवण क्षमता की विस्तृत जाँच कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। क्लिनिक की डायरेक्टर डॉ. सोनल मेहरा ने बताया कि श्रवण क्षमता में कमी का समय पर पता लगाना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि देर होने पर यह व्यक्ति के सामाजिक, मानसिक एवं पारिवारिक जीवन को भी प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता शिविर समाज में श्रवण स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, शिविर के माध्यम से हमने हर वर्ग की श्रवण क्षमताओं का निवारण करने का प्रयास किया। इस दौरान लोगों को जागरूक भी किया गया। आयोजन में चौफ ऑडियोलॉजिस्ट विशाल मेहरा के साथ ऑडियोलॉजिस्ट मेधा साहू, आरुष दुबे, अतुल द्विवेदी, शिवक जोशी, सियाराम पाल एवं सुमन राज द्वारा हितग्राहियों की श्रवण जाँच, परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

नादिर कुरेशी को पेंशनर्स एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष नियुक्त

मझौली। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमार दुबे ने राकेश पाठक प्रांतीय महामंत्री की अनुशंसा पर पेशसनर की समस्या के लिए मझौली के सेवा निवृत्त शिक्षक शेख नादिर कुरेशी को पेंशनर्स एसोसिएशन मझौली तहसील का अध्यक्ष नियुक्त किया इनकी नियुक्ति पर सेवा निवृत्त कर्मचारियों सहित ओम प्रकाश शर्मा वेद प्रकाश साहू, किशोरी लाल विश्वकर्मा सुनील कुमार गर्ग हिमावत सिंह मथुरा प्रसाद मिश्रा अनिल उपाध्याय उमेश कुमार गर्ग राम कृष्ण पृथ्वी ठाकुर विजय कुमार पटेल राजेन्द्र कुमार दुबे मुहम्मद दुबैल चंद कुमार उपाध्याय आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।



सिहोरा विधायक की अगुवाई में पुनर्गठन आयोग से मिलेंगे सिहोरावासी

सिहोरा। विधायक तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से सिहोरा जिला बनाए जाने संबंधी समर्थन पत्र लेकर सिहोरा वासी विधायक संतोष बरकड़े के नेतृत्व में मध्य प्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग से मिलकर जिला का अपना दावा प्रस्तुत करेंगे। ऐसा निर्णय लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति की रविवार को आयोजित हुई बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश - विदित हो कि इससे पूर्व 26 दिसंबर 2025 को सिहोरा जिला के लिए आंदोलित सिहोरा वासियों को लेकर सिहोरा विधायक मुख्यमंत्री से भोपाल में मिले थे। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने सिहोरा वासियों द्वारा प्रेषित ज्ञापन को परीक्षण के लिए राजस्व विभाग को प्रेषित कर दिया। चूँकि प्रदेश सरकार द्वारा पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया है इसलिए राजस्व विभाग ने इस पूरे मामले को पुनर्गठन आयोग को प्रेषित करते हुए जिला के

लक्ष्य जिला आंदोलन समिति की बैठक

ज्ञापन का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उक्त पत्र को प्राप्त लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति की प्रार्थना होते ही समिति ने यह बैठक आयोजित की और यह निर्णय लिया कि शीघ्र ही वे विधायक के नेतृत्व में आयोग से मिलेंगे। समर्थन पत्र हेतु कमेटी गठित - विधायक सिहोरा,बड़वारा,बहारीबंद एवं मझौली तथा जिला पंचायत सदस्यों से सिहोरा जिला के लिए मुख्यमंत्री का नाम प्रेषित पत्र प्राप्त करने हेतु एक समिति का गठन बैठक में किया गया।इस समिति में शिशिर पांडे,रमेश पटेल,राकेश पाठक,बिहारी पटेल,अनिल जैन,कृष्ण कुमार कुररिया,विकास दुबे,संतोष वर्मा होंगे पूर्व विधायक दिलीप दुबे

एवं राजेश दाहिया इस हेतु इस समिति का मार्गदर्शन करेंगे। 15 अगस्त से पूर्व आयोग से मिलेंगे-समर्थन पत्र प्राप्त के पश्चात समिति के सदस्य विधायक की अगुवाई में भोपाल पहुंचकर मध्य प्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग से मिलकर अब तक की हुई कार्रवाई के विषय में जानकारी लेंगे तथा एकत्रित समर्थन पत्र समिति को सौंपेंगे। समिति ने यह भी कहा कि सिहोरा विधायक के आगे आने तथा मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं पत्र पुनर्गठन आयोग को प्रेषित किए जाने से सिहोरा जिला की वर्षों से लंबित मांग पूरी होने के दिन निकट आ रहे हैं। इस बैठक में समिति के राजेश दाहिया,बिहारी पटेल,संतोष वर्मा ,नितेश खरया,जितेंद्र श्रीवास्त, अभिषेक जैन, आनंद प्रकाश जैन, संतोष पांडे, प्रदीप दुबे, राकेश पाठक, संतोष पांडे, सुशील काळी ,कृष्ण कुमार कुररिया, रमेश पटेल, सुशील जैन, गुड्डू कटैया आदि उपस्थित थे।



पीएसएम का 138वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया जबलपुर। शासकीय प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (पीएसएम) जबलपुर का 138वां स्थापना दिवस समारोह 31 जुलाई को महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में मनाया गया। स्थापना दिवस का शुभारंभ सर्वधर्म प्राध्या, पूजन-पाठ, संगीतमय रामचरित मानस सुंदरकांड, हवन, पूजन, दीप प्रज्जवलन, माल्यार्पण, सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस समारोह में अध्यक्षनरत बीईडी, एमईडी के प्रशिक्षणार्थियों ने शामिल होकर एक से बढ़कर एक नृत्य, गीत, संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस महाविद्यालय की स्थापना 31 जुलाई 1889 को हुई थी जिसके आज तक के गौरवपूर्ण विकासक्रम की ऐतिहासिक उपलब्धि की जानकारी समावेशी शिक्षा प्रभारी डॉ. रामनरेश पटेल ने दी। समारोह के मुख्य अतिथि संयुक्त संचालक, शिक्षा प्रचार मंडेसरी डॉ. राममोहन तिवारी रहे, अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य श्रीमती एच इक्का ने की। विशिष्ट अतिथि पूर्व प्राचार्य डॉ. पीएल मिश्रा रहे। इस आयोजन में डॉ. रामनरेश पटेल, डॉ. ज्योत्स्ना दुबे, डॉ. राजकुमारी दुबे, प्रशंत मिश्रा, भूतपूर्व छात्राध्यक्ष संजीव अग्रवाल, डॉ. ज्योति खरे, ललिता राणा, अप्पला खरे, डॉ. प्रमोद श्रवास्वत, मोहन सिंह, अर्चना दुबे, डॉ. सारिका चौकसे, रीनु मोर, शेख मुनीर सहित प्रशिक्षणार्थियों का योगदान रहा। आयोजन में प्रदीप तिवारी, निधि दुबे, सुनीता लखनपाल, सौरभ उड्डके, राकेश अग्रवाल, राजेश तायवाडे, मनोष जैन, यशवंत नागदेव, कु. छवि निपाठी, के साथ जबलपुर संभाग के बीएड, एफएड प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही। समारोह का संचालन आचार्य विनोद घोषी द्वारा तथा आभार प्रदर्शन विनीत सिंह चौहान ने किया।

नशामुक्त होकर राष्ट्र का नवनिर्माण करें युवा : आत्माराम

जबलपुर। आज युवाओं को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से सेवा भारती प्रान्त संगठन मंत्री आत्माराम का शांतम प्रज्ञा आश्रम, नशा मुक्ति, मनोआरोग्य एवं दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में आगमन हुआ। उन्होंने आश्रम में उपचाररत नशा पीड़ित एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ मरीजों से संवाद किया।

अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए वहाँ की युवा पीढ़ी का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है। युवा ही राष्ट्र का भविष्य होते हैं तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे देश की उर्जा, नई सोच और भविष्य की रीढ़ हैं तथा नवाचार, सामाजिक परिवर्तन एवं आर्थिक विकास के प्रमुख संवाहक हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत को सामाजिक रूप से और अधिक सशक्त होने की आवश्यकता है। पाश्चात्य सभ्यता का अधानुकरण युवाओं के पथभ्रष्ट होने का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। समाज में तेजी से बढ़ रही नशे की



प्रवृत्ति एवं आत्महत्या जैसी गंभीर समस्याओं को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय यह है कि माता-पिता, परिवार एवं शिक्षक बच्चों से नियमित संवाद करें, उनकी भावनाओं को समझें तथा उन्हें उचित मार्गदर्शन दें। साथ ही भारत के सांस्कृतिक मूल्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार हो, जिससे युवा स्वयं, परिवार, समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझें और उनका निर्वहन करें। इस अवसर पर श्री आत्माराम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा कार्य एवं सेवा भारती

के विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी देते हुए बताया कि सेवा भारती पूरे भारत में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्य धारा से जोड़ना सेवा भारती का प्रमुख ध्येय है। इस अवसर पर सेवा भारती प्रान्त संगठन मंत्री आत्माराम, मुकेश पटेल, रॉयल एकेडमी के राकेश, रामावतार कुशवाहा तथा शांतम प्रज्ञा आश्रम के अध्यक्ष मुकेश कुमार सेन उपस्थित रहे।



श्री राहुल रजक- पांडे व्यास चौक गुणेश्वर निवासी श्री श्याम लाल रजक के पुत्र श्री राहुल रजक (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुणेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्री सुरेश कुमार- गोकलपुर निवासी श्री सुरेश कुमार (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री ओम प्रकाश शायलवार- ईसाई मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री ओम प्रकाश शायलवार (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री अनीश चौबे- सिद्धबाबा वार्ड चाचा किराना के पास निवासी श्री संतोष चौबे के पुत्र श्री अनीश चौबे (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री रमेश प्रसाद दुबे- जगदंबा कॉलोनी विजयनगर निवासी श्री रमेश प्रसाद दुबे (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती गुड्डी देवी नाहर- सदर कैट निवासी श्री गया प्रसाद नाहर की धर्मपत्नी श्रीमती गुड्डी देवी नाहर (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री जगदीश सिंह ठाकुर- छापरा विजय नगर रामपुरनिवासी श्री जगदीश ठाकुर (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। दानपति जय कुमार जैन-सिहोरा- खितौला निवासी दानपति श्री जयकुमार जैन का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था । अंतिम संस्कार खितौला स्थित हिरन नदी घाट में किया गया। वे स्व. श्री दानपति हुकम चंद जैन के छोटे सुपुत्र, दानपति प्रशान्त जैन गोतू एवं प्रवीण जैन छोटू के पिताजी थे।



विविध प्रतियोगिताओं के साथ संपन्न हुई त्रिदिवसीय फोटो प्रदर्शनी

प्रदर्शनी के माध्यम से युवाओं ने जाना सरकार के 12 वर्षों का स्वर्णिम सफर

जबलपुर। भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, भोपाल द्वारा जिला प्रशासन जबलपुर के सहयोग से महाकौशल महाविद्यालय जबलपुर में आयोजित त्रिदिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह विविध जागरूकता कार्यक्रम का समापन संवाद, रैली, विविध प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ।

प्रदर्शनी में “सेवा, सुशासन के 12 वर्ष”, “VB G RAM G” एवं कारगिल विजय गाथा पर आधारित आकर्षक चित्रों के माध्यम से केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकसित भारत के संकल्प तथा भारतीय सेना के शौर्य एवं बलिदान को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के प्रथम चरण में “VB G RAM G” जिला पंचायत जबलपुर की परियोजना अधिकारी रचना बोरिया ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है, उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य,



स्वच्छता, डिजिटल सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण तथा जनभागीदारी जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया। दी गई जानकारी पर आधारित प्रश्नोत्तरी आयोजित कर सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को तुरंत पुरस्कृत किया गया, इसके बाद रंगोली स्पर्धा का आयोजन हुआ, आयोजित भाषण स्पर्धा में कॉलेज के विद्यार्थियों ने कारगिल विजय गाथा पर अपने अपने विचार रखे, तत्पश्चात गीत व नाटक दल के कलाकारों ने

गीत संगीत के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी। तदोपरांत छात्र-छात्राओं को लेकर नारों का संदेश देते हुई जागरूकता रैली निकाली गई।

समापन अवसर पर अतिरिक्त संचालक संभागीय कार्यालय उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर व प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, अतुल पांडे, प्रो. अरुण शुक्ल, प्रो. एसी तिवारी, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. ज्योति जुनगरे की उपस्थिति में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व में व आज आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के

विजेताओं को अतिथियों के हाथों पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में अतिरिक्त संचालक डॉ. चतुर्वेदी ने कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक जागरूकता तथा सरकारी योजनाओं के प्रति जानकारी बढ़ाना है, उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के आयोजन के माध्यम से छात्र-छात्राओं को विभिन्न जानकारी मिलती है और आज आवश्यकता भी है कि हम समग्र रूप से युवाओं का विकास करें। अतुल पांडे ने इस अवसर पर कहा कि प्रदर्शनी केवल चित्रों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि जनसामान्य तक महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। तीन दिनों तक चली इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. बुशरा खान, डॉ. उमा भारती, डॉ. साक्षी मरावी, डॉ. रुपाली उपाध्याय, डॉ. मोनाक्षी मरावी, डॉ. अजय ठाकुर, डॉ. आनंद तिवारी, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों, मीडिया, सहयोगी संस्थाओं एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त कर तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।



मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय के विखंडन के विरोध में एनएसयूआई ने कुलपति के नाम उपकुलसचिव को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय के प्रस्तावित विखंडन के विरोध में आज भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने छात्र नेता अनुराग शुक्ला के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति के नाम एक ज्ञापन उपकुलसचिव अजय मिश्रा को सौंपकर विश्वविद्यालय की एकता एवं मूल स्वरूप को बनाए रखने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से एनएसयूआई ने मांग की कि विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की शीघ्र बैठक आहूत की जाए तथा उसमें सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया जाए कि कुलपति एवं संपूर्ण कार्यपरिषद मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय के किसी भी प्रकार के विखंडन का स्पष्ट रूप से विरोध करती है। साथ ही यह प्रस्ताव मध्यप्रदेश शासन को भेजकर विश्वविद्यालय की एकता एवं स्वायत्तता को यथावत बनाए रखने का आग्रह किया जाए। इस अवसर पर छात्र नेता अनुराग शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय जबलपुर

की ऐतिहासिक पहचान होने के साथ-साथ प्रदेश की चिकित्सा शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है। इसका विखंडन न केवल विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हितों के विपरीत होगा, बल्कि चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई विश्वविद्यालय के विखंडन का लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीकों से लगातार विरोध करती रहेगी तथा विश्वविद्यालय की एकता बनाए रखने के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रहेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय की एकता के समर्थन में नारे लगाए और विश्वविद्यालय के हितों की रक्षा हेतु एकजुट रहने का संकल्प लिया। ज्ञापन के दौरान रिजवान अली कोटी, कपिल भोजक, सागर शुक्ला, अमित सोनकर, देवकी पटेल, शफी खान, अंकित शुक्ला, गुणवत्ता एवं प्रशासनिक गौतम, अंकित कोरी, वकार खान, युग ठाकुर, अदील सैय्यद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्य परिषद की बैठक बुलाकर विखंडन विरोधी प्रस्ताव पारित करने की मांग



जीआरपी जबलपुर ने ऑपरेशन हमदर्द के तहत भटके बालक को सकुशल परिजनों से मिलाया

जबलपुर। ऑपरेशन हमदर्द के तहत थाना जीआरपी जबलपुर को एक और सफलता प्राप्त हुई। थाना जीआरपी जबलपुर स्टाफ को एक बालक अभिराज सिंह जादौन (उम्र 12 वर्ष), निवासी गणेश कॉलोनी, थाना सुजालपुर, जिला शाजापुर रेलवे स्टेशन जबलपुर में अकेले मिला, जिसको सुरक्षित संरक्षण में लेकर थाना जीआरपी जबलपुर लाया गया। बालक घर से बिना बताए भटककर जबलपुर पहुंच गया था। थाने में बालक से सहानुभूतिपूर्वक पूछताछ कर उसके परिजनों की जानकारी प्राप्त की गई तथा मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क कर उन्हें थाना बुलाया गया। बाद में बालक के पिता शैलेन्द्र सिंह जादौन एवं मामा गजेन्द्र सिंह थाना जीआरपी जबलपुर उपस्थित हुए। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण कर बालक को सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया। अपने पुत्र को सकुशल पाकर परिजनों ने जीआरपी जबलपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस कार्यवाही में हेड कॉन्स्टेबल वीरन महोबिया, हेड कॉन्स्टेबल धीरेन्द्र सिंह बैस, हेड कॉन्स्टेबल परशुराम एवं आरक्षक सुनील का विशेष योगदान रहा।

कर्मचारी एरियर्स राशि से वंचित

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा तीन प्रतिशत मंहगाई भत्ता फरवरी माह में बढ़ाया गया था, जिसके एरियर्स की राशि का भुगतान 6 समान किस्तों में प्रदान किया जाना था, परंतु लोक सेवकों को आज दिनांक तक एक भी किस्त का भुगतान नहीं किया गया है। संगठन ने बताया की संकुल प्राचार्यों के द्वारा एरियर्स की राशि के बिल बनाकर बी.ई.ओ. कार्यालय में जमा नहीं किए गए जिससे आज दिनांक तक लोक सेवक एरियर्स की राशि प्राप्त करने से वंचित है जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। अतः संगठन कलेक्टर से मांग करता है कि बड़े हुए डी.ए. के एरियर्स की राशि प्रदान करने हेतु सम्बंधित अधिकारियों को आदेशित किया जाए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, रऊफ खान, गुडविन चालर्स, संतोष चौरसिया, राजकुमार यादव आदि ने मुख्यमंत्री से मांग की है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026

जबलपुर। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित हो रहे 23वें राष्ट्रमंडल खेल 2026 में जूडो के पहले ही दिन भारतीय जूडो खिलाड़ियों द्वारा किए गए ऐतिहासिक प्रदर्शन से पूरे देश सहित संस्कारधानी जबलपुर के खेल जगत में अपार उत्साह और हर्ष का माहौल है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय जूडो खिलाड़ियों के इस स्वर्णिम आगाज ने देश का मान बढ़ाया है।

जबलपुर जिला जूडो संघ के सचिव एवं वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में चल रहे 23वें राष्ट्रमंडल खेल 2026 के पहले दिन भारतीय जूडो दल ने धमाकेदार शुरुआत करते हुए नया इतिहास रच दिया है। प्रतियोगिता के पहले ही दिन भारत की होनहार महिला खिलाड़ी अस्मिता डे ने -48 किलोग्राम भार वर्ग के रोमांचक फाइनल मुकाबले में कनाडा की खिलाड़ी को शिकस्त देकर राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारत को जूडो का पहला ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाया। इसके पश्चात, पुरुष वर्ग के -60 किलोग्राम भार वर्ग श्रेणी के फाइनल में हर्ष सिंह ने अपना दबदबा कायम

भारतीय जूडो खिलाड़ियों के ऐतिहासिक प्रदर्शन से जबलपुर में जश्न, जिला जूडो संघ ने दी बधाई



रखते हुए ऑस्ट्रेलिया के मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हराकर देश के लिए दिन का दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके साथ ही मध्य प्रदेश की होनहार जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य ने -57 किलोग्राम भार वर्ग में अपने

शानदार कौशल, फुर्ती और बेहतरीन तकनीक का परिचय देते हुए रजत पदक अपने नाम किया। वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एक ही दिन में दो स्वर्ण और एक रजत

पदक जीतकर भारतीय जूडो खिलाड़ियों ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय जूडो अब विश्व स्तर पर किसी से पीछे नहीं है। यह सफलता देश के उभरते हुए जूडो खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। इस ऐतिहासिक सफलता पर त्रिभुवनदास मालपानी जूडो सेंटर, मिलोनीगंज के जूडो खिलाड़ियों ने अपनी अपार प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक-दूसरे का मिश्रण से मुंह मीठा कराकर जीत का जश्न मनाया। भारतीय जूडो टीम की इस शानदार उपलब्धि पर जबलपुर जिला जूडो संघ के अध्यक्ष रवि गुप्ता, राजकुमार मिश्रा, डॉ. एस. एन. श्रीवास्तव, शायदा अली, सत्येंद्र गुरु, गौरी शंकर सार, प्रभव महेश्वरी, विभव महेश्वरी, रत्नेश सोनकर, एडवोकेट अभ्युदय सिंह, एडवोकेट अतारहमान, डॉ. मोहसिन अंसारी, डॉ. दीपेंद्र यादव, डॉ. विजेंद्र यादव, रोशनी राठौर, नाजनीन अंजुम मंसूरी, तावेज अली, साबिर अंसारी, रितेश डोशिया, दिव्या सोनी आदि ने पदक विजेताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



शहीद उधम सिंह को दी श्रद्धांजलि, युवाओं से देशभक्ति का आह्वान

जबलपुर। अमर शहीद सरदार उधम सिंह के बलिदान दिवस पर शुक्रवार को शहीद भगत सिंह युवा विचार मंच द्वारा कटंगा स्थित भगत सिंह चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने शहीद उधम सिंह के चित्र पर माल्यार्पण किया, सचिव डिम्पी बिंद्रा ने बताया कि शहीद उधम सिंह ने जलियांवाला बाग नरसंहार के दोषी माइकल ओडायर को इंग्लैंड में दंडित कर अद्वितीय देशभक्ति और साहस का परिचय दिया था, उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए समर्पित कर मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष तजिन्दर सिंह टैटू, सचिव डिम्पी बिंद्रा, काके आनंद, रजिन्दर सिंह छाबड़ा, रविन्दर सिंह चाना, पम्मी चड्ढा, गुरुप्रीत सिंह, रंजीत ठाकुर, संजू पाठक, रवि ठाकुर, अशोक राजपूत, रामा भाई, राजू हैरी सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

घरों-घर देवालयों में गूँजेगा हरिनाम संकीर्तन

चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल का 10वां वार्षिक श्रावण महोत्सव

जबलपुर। पावन श्रावण मास के शुभ अवसर पर श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल, जाबालिपुरम के तत्वावधान में प्रति वर्षांगुण 10वें वर्ष पूरे श्रावण मास प्रतिदिन श्री हरिनाम संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया है। नगर के घरों-घर देवालयों में भक्तिभाव, हर्षोल्लास के साथ हरिनाम संकीर्तन किया जा रहा है। संकीर्तन श्रृंखला के तृतीय दिवस बड़ी खेरमाई राधा कृष्ण मंदिर में नम्रता-जितेंद्र शर्मा के सौजन्य से संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे, पं. सुदामा प्रसाद उपाध्याय के सानिध्य में पूजन अर्चन कर हरिनाम संकीर्तन संपन्न हुआ। एक से बढ़कर एक संकीर्तन में समस्त श्रद्धालुगण हरिनाम की मधुर ध्वनि पर भक्ति रस में झूम उठे। आज चतुर्थ दिवस श्री शंकर नामदेव के सौजन्य से जगदीश मंदिर पड़ाव महाकाली चौक स्थित आवास



पर प्रातः 8:30 बजे से श्री हरिनाम संकीर्तन आयोजित है। मंडल ने समस्त श्रद्धालुओं से सपरिवार सहित उपस्थित की अपील की है। इस अवसर पर संयोजक देवेन्द्र नेमा, सरिता शर्मा, कृष्णा नामदेव, सुनीता

राय, मनोषा दुबे, पूनम सोनी, अंजू सिंह, स्नेहा उपाध्याय, प्रभाकर चतुर्वेदी, सत्यप्रकाश नामदेव, जीते शर्मा, केएल दीक्षित, मोहित तिवारी आदि अनेक मातृ शक्ति भक्तजन उपस्थित रहे।



सनातन चौक का होगा सौंदर्यीकरण

विधायक डॉ. अमिलाष पाण्डेय ने दिए कार्य प्रारंभ करने के निर्देश जबलपुर। सनातन संरक्षण संघ के पदाधिकारियों ने उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ. अमिलाष पाण्डेय से सौजन्य भेंट कर सनातन चौक के सौंदर्यीकरण तथा उसे शहर के सबसे सुंदर और आकर्षक चौक के रूप में विकसित किए जाने की मांग रखी। विधायक डॉ. पाण्डेय ने इस प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त करते हुए अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश देने का आश्वासन दिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सनातन चौक पर आम नागरिकों, विशेषकर विद्यालय एवं महाविद्यालय आने-जाने वाले विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक बस स्टॉप का निर्माण कराया जाएगा, जिससे यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से वाहनों की प्रतीक्षा करने की सुविधा मिल सके। सनातन संरक्षण संघ के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सौंदर्यीकरण एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास से सनातन चौक शहर की पहचान के रूप में स्थापित होगा तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर सनातन संरक्षण संघ के संस्थापक महेश मिश्रा, संयोजक अजय पटेल (टिप्टू), कार्यवाहक अध्यक्ष राजेश चौबे तथा महामंत्री डॉ. नीलेश पाण्डेय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दुनिया में कई ऐसी घटनाएं होती हैं, जो पहली बार सुनने पर किसी फिल्म की कहानी जैसी लगती हैं। लेकिन, जब पता चलता है कि यह सब हकीकत है, तो हैरानी और भी बढ़ जाती है।

‘सोलर किड्स’: दिन में खेलते-कूदते, रात होते ही पड़ जाते हैं बेजान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दो भाइयों की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। इन्हें ‘सोलर किड्स’ के नाम से जाना जाता है। वजह है इनकी रहस्यमयी शारीरिक स्थिति। दिनभर ये दोनों बच्चे पूरी तरह नॉर्मल रहते हैं। दौड़ते हैं, खेलते हैं, बातें करते हैं और बाकी बच्चों की तरह अपनी दिनचर्या बिताते हैं। लेकिन, जैसे ही सूरज ढलता है, उनकी पूरी दुनिया बदल जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाम होते ही दोनों भाइयों का शरीर अचानक काम करना लगभग बंद कर देता है।

खाना खाना भी उनके लिए संभव नहीं

वे न तो अपने हाथ-पैर हिला पाते हैं, न बोल पाते हैं और न ही अपनी आंखें खोल या बंद कर पाते हैं। यहां तक कि खाना खाना भी उनके लिए संभव नहीं रह जाता। उनकी यह हालत वर्षों से डॉक्टरों और वैज्ञानिकों के लिए एक बड़ी पहेली बनी हुई है।



मेडिकल साइंस के लिए चुनौती जैसा

कुछ समय पहले पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में मेडिसिन के प्रोफेसर जावेद अकरम ने ‘द एसोसिएटेड प्रेस’ से बातचीत में कहा था कि यह मामला मेडिकल साइंस के लिए एक चुनौती जैसा है। उन्होंने बताया था कि डॉक्टरों की टीम ने दोनों भाइयों के कई मेडिकल टेस्ट किए ताकि यह समझा जा सके कि दिन में पूरी तरह एक्टिव रहने वाले ये बच्चे रात होते ही अपनी आंखें क्यों नहीं खोल पाते, क्यों बोल नहीं पाते और खाना खाने तक में असमर्थ हो जाते हैं। प्रोफेसर अकरम ने यह भी बताया था कि पाकिस्तान सरकार दोनों भाइयों का मुफ्त इलाज करवा रही है।

क्या है इसके पीछे का राज?

विशेषज्ञों का मानना है कि यह किसी दुर्लभ जेनेटिक न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर का असर हो सकता है। इस तरह की बीमारी शरीर के नर्वस सिस्टम को प्रभावित करती है, जो शरीर को एनर्जी देने और उसकी गतिविधियों को नियंत्रित करने का काम करता है। हालांकि, अब तक हुई जांचों के बावजूद डॉक्टर इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाए हैं कि आखिर सूरज ढलने के बाद ही इन दोनों बच्चों की हालत क्यों बिगड़ जाती है।

रोचक खबरें

सांपों को मारने के लिए 129 साल पहले छोड़ी गई थी लाफिंग कूकाबुरा बर्ड, बन गई भस्मासुर

मेलबर्न। लाफिंग कूकाबुरा ऑस्ट्रेलिया के सबसे पहचाने जाने वाले पक्षियों में से एक है, जो अपनी तेज इसानों जैसी हंसी की आवाज और सांपों का शिकार करने के लिए मशहूर है। दरअसल, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में इस पक्षी का होना एक सोचे-समझे प्रयोग का नतीजा है, जो 19वीं सदी के आखिर में किया गया। 1897 में कुछ समूहों ने पूर्वी ऑस्ट्रेलिया से लाए गए कूकाबुरा पक्षियों को सांपों को कंट्रोल करने के लिए छोड़ा था। कुछ सालों में ये पक्षी उन हिस्सों में पहुंच गए, जहां वे पहले नहीं पाए जाते थे। इसका पूरे इलाके पर असर हुआ और इनकी शिकारी प्रवृत्ति की वजह से बहुत से स्थानीय पंछी और छोटे जानवर खत्म हो गए।

एक नई रिसर्च के मुताबिक, सुनियोजित तरीके से छोड़े जाने से पहले वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में कूकाबुरा दो दफा- 1883 में अल्बानी में और जून 1896 में पर्थ और फ्रीमेंटल के बीच देखे गए थे। पहली बार आधिकारिक तौर पर इन्हें 1897 में लाया गया, जिसके बाद 1912 तक सैकड़ों पक्षियों को दक्षिणी हिस्से में अलग-अलग जगहों पर छोड़ा गया। इसका असर पूरे इलाके पर हुआ। इन पक्षियों को सांपों को कंट्रोल करने के लिए लाया गया, लेकिन ये स्थानीय प्रजातियों के शिकारी बन गए। यह नतीजा पक्षी की बायोलॉजी को देखते हुए कोई हैरानी की बात नहीं थी। कूकाबुरा कई तरह के जीवों का शिकार करने वाले शिकारी होते हैं। उनकी डाइट सांपों तक सीमित नहीं है।



वे कीड़े, रेंगने वाले जीव, मेंढक और छोटे पक्षियों का शिकार कर सकते हैं। कंजर्वेशन साइंस वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की रिसर्च के अनुसार, एक बार लाए जाने के बाद लाफिंग कूकाबुरा तेजी दक्षिण-पश्चिम के हिस्सों में फैले।

बदल गया इकोलॉजिकल सिस्टम

ऐतिहासिक रिकॉर्ड के अनुसार, जिन जगहों पर इन पक्षियों को छोड़ा गया, वहां उन्होंने प्रजनन शुरू किया। वहीं, कुछ अन्य रिपोर्टों में दक्षिण-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के ज्यादातर हिस्सों में इस प्रजाति की मौजूदगी का जिक्र है। हो सकता है कि इस प्रजाति को किसी खास कीट को नियंत्रित करने की क्षमता के कारण चुना गया हो, लेकिन शिकारी जीव अपनी गतिविधियों की सिर्फ शिकार तक सीमित नहीं रखते। शिकारी जीव खुद को स्थापित कर लेते हैं तो बड़ी इकोलॉजिकल भूमिका निभाते हैं। एक इलाके से दूसरे इलाके में जानवरों को ले जाना कभी पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने का आम तरीका था। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में इस कोशिश के तहत एक शिकारी जीव को ऐसे इकोसिस्टम में लाया गया, जहां वह पहले नहीं पाया जाता था। इससे भविष्य की पीढ़ियों को इसके इकोलॉजिकल नतीजों का सामना करना पड़ा।

7 हजार डिग्री सेल्सियस आग में जन्मी अनोखी धातु, वैज्ञानिकों को तबाही का मिला नया सुराग



टोक्यो। 6 अगस्त 1945... इतिहास का वह काला दिन जब एक पल में जापान का हिरोशिमा राख का ढेर बन गया था। 70,000 से ज्यादा लोगों की सांसें छीनने वाले उस परमाणु धमाके का दर्द दुनिया आज तक भूलती नहीं है। लेकिन, अब, लगभग 81 साल बाद, उसी तबाही की राख से एक ऐसा रहस्यमयी राज बाहर आया है जिसने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को चौंका दिया है। हिरोशिमा के समुद्र तट की रेत में छुपा एक ऐसा मटेरियल मिला है, जो सामान्य इसानी दुनिया या किसी हार्ड-टेक लैब में बनना नामुमकिन है। हिरोशिमा बे की रेत का विश्लेषण करते समय रिसर्चर्स को बहुत ही सूक्ष्म कणों के अंदर एक नया और अनोखा मटेरियल मिला है। इस मटेरियल को हिरोशिमाइट्स नाम दिया गया है। अब लोगों के मन में यह सवाल आ रहा है कि यह मटेरियल आखिर आया कहाँ से? इसका जवाब वैज्ञानिकों के मुताबिक, परमाणु बम फटने के कुछ ही सेकंड के भीतर वहां का तापमान 7,000 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इस भयंकर गर्मी में आसपास के भवन निर्माण मटीरियल, धातुएं, मिट्टी, कांच और पानी पल भर में भाप बनकर एक विशाल फायरबॉल यानी आग के गोला में बदल गए। और जब यह आग का गोला ठंडा हुआ, तो इससे कांच और धातुओं की बहुत छोटी-छोटी बूंदें बनीं जो पूरे इलाके में फैल गईं। रिसर्च में वैज्ञानिकों ने इन कणों के अंदर सिलिकॉन-रिच मल्टीकंपोनेंट अलॉय यानी एक खास तरह का मिश्रधातु पाया है। इस मटीरियल के एक छोटे से दाने में 63% लोहा, 15% क्रोमियम, 9% निकल और 7% सिलिकॉन मिला है। सामान्य परिस्थितियों में या किसी साधारण लैब में ऐसा अलॉय बनना नामुमकिन है। साइंस एडवांसेज में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, हिरोशिमा में बनी ये परिस्थितियां ठीक वैसी ही थीं, जैसी अंतरिक्ष में उल्कापिंडों के आपस में टकराने या ग्रहों के टकराव के दौरान पैदा होती हैं।

नए मटीरियल्स का हो सकता है जन्म

वैज्ञानिकों की यह खोज साबित करती है कि बहुत ही असाधारण और बहुत ज्यादा तापमान पर पदार्थ किस तरह से रिएक्ट करते हैं और कैसे प्रकृति में पूरी तरह से नए मटीरियल्स का जन्म हो सकता है। इससे भविष्य में उल्कापिंडों की टक्कर, बिजली गिरने जैसी अत्यधिक ऊर्जा वाली प्राकृतिक घटनाओं और नए एडवांस्ड मटेरियल्स पर रिसर्च को भी नई दिशा मिल सकती है। हिरोशिमा की तबाही का यह अवशेष आज विज्ञान के लिए एक अनोखी पहेली सुलझाने का जरिया बन गया है।

रहस्यमयी

कई-कई महीने लगातार नाचते रहे लोग, थक कर हो जाती थी मौत!

पेरिस। मानव इतिहास में कई अजीबोगरीब महामारियां आई हैं। कुछ ने लाखों लोगों को बीमार किया, कुछ ने मौत दी, लेकिन 1518 की ‘डॉसिंग प्लेग’ शायद सबसे विचित्र और रहस्यमयी घटना है। जुलाई 1518 में फ्रांस के स्ट्रुसबर्ग शहर में एक महिला अचानक सड़क पर नाचने लगी थी। वह कई दिनों तक बिना रुके नाचती रही। कुछ दिनों में सैकड़ों लोग उसके साथ जुड़ गए। बताया जाता है कि एक महिला के नाचने से शुरू हुआ ये सफर करीब चार सौ लोगों तक जा पहुंचा था। ये क्यों शुरू हुआ और इसकी वजह क्या थी, ये आज भी एक रहस्य है। सोशल मीडिया पर इस महामारी से जुड़ी कई कहानियां शेयर की गई हैं, जिसने इतने सालों बाद फिर से इसे वायरल कर दिया है।



कैसे शुरू हुई महामारी?

सबसे पहले फ्रांज़ ट्रॉफिया नाम की एक महिला बिना किसी संज्ञात के नाचने लगी थी। वह हफ्ते भर तक लगातार नाचती रही, फिर और लोग उसके साथ शामिल होते गए। एक महीने के अंदर करीब 400 से ज्यादा लोग अनियंत्रित रूप से नाच रहे थे। लोग थकान से दूर हो जाते, फिर भी रुक नहीं पाते थे। कई लोगों के पैरों में खून बहने लगा, कुछ के दिल का दौरा पड़ गया और वे मर गए। अनुमान है कि इस महामारी से सैकड़ों मौतें हुई थीं।

समाज और सरकार की प्रतिक्रिया

डॉक्टरों ने इसे ‘हंट ब्लड’ की बीमारी बताया था। वहीं, धर्मगुरुओं ने इसे शैतान का प्रभाव माना था। उन्होंने इसे श्राप का असर बता दिया था। शहर के अधिकारियों ने संज्ञातकारों को बुलाकर और ज्यादा नाचने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि लोग थककर गिर जाएं। लेकिन, उन्हें रोकने का ये आइडिया फेल हो गया था। कई लोग नाचने की वजह से मौत के मुंह में समा गए। इसके बाद अपने आप ही ये महामारी खत्म हो गई।

संभावित कारण

आज के वैज्ञानिक इसे सामूहिक मानसिक बीमारी मानते हैं। दरअसल, उस समय मुखमरी, तनाव, सिफलिस जैसी बीमारियां और एगॉट फेगस (राई में लगने वाला फेगस जो एलएचडी जैसा प्रभाव देता है) फैली थीं। इन सबको भी कारण माना जाता है। कुछ महीनों बाद धीरे-धीरे लोगों ने थककर या मरकर नाचना बंद कर दिया और स्ट्रुसबर्ग फिर से सामान्य हो गया। यह घटना दिखाती है कि सामूहिक तनाव और सामाजिक दबाव कितना खतरनाक हो सकता है। आधुनिक दुनिया में भी ‘मास हिस्टीरिया के मामले देखे जाते हैं। 1518 की डॉसिंग प्लेग मानव इतिहास की सबसे अजीब महामारियों में से एक है। यह हमें याद दिलाती है कि विज्ञान और समझ के बिना अंधविश्वास और तनाव कितना नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अकेला चीन अब बना रहा दुनिया की सबसे ज्यादा पावर

बीजिंग। साल 1985 का वो दौर याद कीजिए जब अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी ताकत हुआ करता था और बिजली बनाने के मामले में चीन से पूरे छह गुना आगे था। लेकिन, पिछले चार दशकों में ड्रैगन ने जो चाल चली है, उसने पूरी दुनिया के शक्ति संतुलन को हिलाकर रख दिया है। साल 2025 के ताजा आंकड़े बता रहे हैं कि चीन अब इतना बड़ा पावर हाउस बन चुका है कि वह अकेले अमेरिका, यूरोपियन यूनियन और भारत को मिलाकर भी उसने 13 प्रतिशत ज्यादा बिजली पैदा कर रहा है। साल 1985 में अमेरिका लगभग 2,657 टेरावॉट-घंटा बिजली बनाता था जबकि चीन सिर्फ 410 टीडब्ल्यूएच पर अटका था। लेकिन 2025 आते-आते यह तस्वीर पूरी तरह से उलट गई। अगर वर्ल्ड इन डेटा के मुताबिक 2025 में चीन का बिजली उत्पादन 10,583 टीडब्ल्यूएच तक पहुंच गया। दूसरी तरफ अमेरिका, यूरोपियन यूनियन और भारत तीनों मिलकर भी सिर्फ 9,398 टीडब्ल्यूएच बिजली ही बना पाए। इसका सीधा मतलब यह है कि चीन इन तीनों महाशक्तियों के कुल जोड़ से भी 1,184 टीडब्ल्यूएच ज्यादा बिजली पैदा कर रहा है।

1985 में अमेरिका से था कौसें दूर

चीन एनर्जी व न्यूक्लियर में भी भारी निवेश

कोयले के साथ-साथ चीन ने सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और परमाणु ऊर्जा में भी अरबों डॉलर का निवेश किया है। चीन के पास 55 से ज्यादा चालू न्यूक्लियर रिएक्टर हैं और दर्जनों पर काम चल रहा है। इसके अलावा चीन के पास 425 जीडब्ल्यू से ज्यादा सोलर और 376 जीडब्ल्यू से ज्यादा विंड पावर की स्थापित क्षमता मौजूद है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है।



कोयला आज भी है चीन की असली ताकत

भले ही चीन आज सोलर और विंड पावर में दुनिया का लीडर बन चुका है, लेकिन उसकी रीढ़ की हड्डी आज भी कोयला ही है। अंकड़ों के अनुसार चीन अपनी कुल बिजली का लगभग 62 प्रतिशत हिस्सा आज भी कोयले से ही पैदा करता है। चीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भी चीन का नाम सबसे ऊपर आता है।

समुद्र में ढेल के जन्म का अद्भुत नजारा

केनबरा। दुनियाभर में कुछ ऐसी घटनाएं होती हैं, जिन्हें देखना न सिर्फ अचंभा पैदा करता है, बल्कि कभी-कभी आंखों पर भी भरोसा करना मुश्किल हो जाता है। ऐसी ही एक घटना समुद्र के बीच शांत पानी में हुई। ड्रोन से वीडियो रिकॉर्ड करते समय एक वयस्क मादा व्हेल को बच्चे को जन्म देते हुए देखा। दावा किया जा रहा है कि दुनिया में कहीं भी वीडियो में रिकॉर्ड किए गए हंपबैक व्हेल के जन्म की चौथी पूरी घटना को कैमरे में कैद किया है। दावा ये भी किया जा रहा है कि यह ड्रोन से रिकॉर्ड की गई ऐसी पहली घटना है।

ऑस्ट्रेलिया में ‘ऑर्गनाइजेशन फॉर द रेस्क्यू एंड रिसर्च ऑफ सिटासियन्स’ के लिए एनएसडब्ल्यू के उत्तरी तट पर माग्रेट करने वाली हंपबैक व्हेल की हवाई निगरानी



करते समय अलेक्जेंडर फॉरेस्ट ने शांत समुद्र में एक वयस्क मादा व्हेल को बच्चे को जन्म देते हुए देखा। उन्होंने व्हेल के बच्चे के जीवन के

शुरुआती पलों को कैमरे में कैद किया, जिसमें उसकी पहली सांस और अपनी मां के साथ उसका मिलन शामिल है।

हंपबैक व्हेल का वैज्ञानिक नाम ‘मेगाटेरा’

हंपबैक व्हेल को यह नाम इसके आकार और समुद्र में गोता लगाते समय इसकी पीठ की विशिष्ट बनावट के कारण दिया गया है। इसका वैज्ञानिक नाम मेगाटेरा है। इसका अर्थ ‘बड़े पंखों वाला’ होता है। इनकी लंबाई कुल शरीर की लंबाई के एक तिहाई के बराबर होती है।

स्पर्म व्हेल बच्चे को जन्म देते आई थी नजर

इससे पहले मार्च 2026 में वैज्ञानिकों ने एक फुटेज जारी किया था। इस वीडियो फुटेज में एक स्पर्म व्हेल बच्चे को जन्म देते हुए नजर आई थी, जबकि दूसरी मादा व्हेल मिलकर मां और उसके नवजात बच्चे को सहारा दे रही थी।

38 साल के इंडियन योगा टीचर ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

इं ने 38 साल के योग टीचर को म ल कालेई ने



रोकने की ट्रेनिंग ली। कमल बताते हैं कि पिछले साल अक्टूबर में उन्होंने यह कारनामा किया। वे एक स्विमिंग पूल के एकदम नीचे गए, अपनी वियानाम के नाम दीह शहर के निह-बिन्ह में रहते हैं। उन्होंने इस रिकॉर्ड के लिए पूरे दो साल तक शरीर को ताकत बढ़ाने और सांस

वे पानी के अंदर 6 मिनट तक सांस रोक सकते हैं। वे सिर्फ सांस ही नहीं रोकते, बल्कि पानी के अंदर करसत भी कर लेते हैं। कमल अपने 86 पुश-अप्स से बहुत खुश हैं। उन्हें पक्का भरोसा है कि दोबारा कोशिश करने पर वे इससे भी ज्यादा पुश-अप्स लगा सकते हैं।

पहले भी एक ही साल में बनाए थे दो वर्ल्ड रिकॉर्ड

कमल कहते हैं कि वे शुरू से ही कुछ अलग करना चाहते थे। दूसरों के रिकॉर्ड देखकर उन्हें प्रेरणा मिलती थी। साल 2020 में उन्होंने पानी के अंदर लगातार 21 योग मुद्राएं करके अपना पहला रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद ही उन्हें अपनी असली ताकत का पता चला। साल 2020 में ही उन्होंने पानी के अंदर 72 एयर रिक्स (हवा के छल्ले) बनाने का रिकॉर्ड भी बनाया था। हालांकि, बाद में अमेरिका की अमेरिलिया डी लॉस रियोस ने 81 रिक्स बनाकर उनका यह रिकॉर्ड तोड़ दिया।

नया रिकॉर्ड बनाने के लिए स्पॉन्सर की तलाश

कमल का कहना है कि कड़ी मेहनत से हम जिंदगी में कुछ भी हासिल कर सकते हैं। हमें बस अपने लक्ष्य से भटकना नहीं चाहिए। भविष्य में कमल पानी के अंदर चलने और बेच प्रेस करने का रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं। इन नए रिकॉर्ड्स की तैयारी के लिए वे फिलहाल स्पॉन्सर्स की तलाश कर रहे हैं।

दुनिया की सबसे उम्रदराज बिल्ली बन सकती है 31 साल की ‘मिली’



दौरान उन्हें घर पर बोटलबंद बक्सटन पानी पहुंचाया जाता था। उन्होंने वहीं पानी खुद भी पीना शुरू किया और मिली को भी देना शुरू कर दिया। बाद में जब नल का पानी दोबारा आया तो वह साफ नहीं था। इसके बाद उन्होंने फैसला किया कि आगे भी सिर्फ मिनरल वॉटर ही इस्तेमाल करेंगे। इस साल मार्च में मिली का जन्मदिन भी खास तरीके से मनाया गया। उसके लिए चिकन का खास भोजन तैयार किया गया। गर्मियों में उसे आराम मिले, इसके लिए घर में वे पंखे हमेशा उसकी तरफ चलते रहते हैं। लेस्ली उम्र के पानी में बर्फ के टुकड़े भी डालते हैं, ताकि उसे गर्मी कम लगे। अब वह अक्सर फर्श पर सोना पसंद करती है, क्योंकि वहां ठंडक ज्यादा रहती है।

उम्र बढ़ने के साथ सलाह भी काफी बदल गया लेस्ली की पत्नी पाउला का निधन 2020 में कोविड-19 के कारण हो गया था। उनका कहना है कि पत्नी की मौत का असर सिर्फ उन पर ही नहीं बल्कि मिली पर भी पड़ा था। कुछ समय तक उसने खाना-पीना लगभग छोड़ दिया था। उसे दोबारा सामान्य करने के लिए उन्होंने झींगे और चिकन जैसे पसंदीदा खाने खिला। धीरे-धीरे वह फिर से सामान्य केट फूड खाने लगी। लेस्ली बताते हैं कि उन बढ़ने के साथ मिली का स्वभाव भी काफी बदल गया है। पहले के मुकाबले अब वह ज्यादा शांत और सुकून से रहने लगी है। वह देर से उठती है, थोड़ी देर उनके साथ खेलती है और फिर धूप वाली जगह या सोफे के पीछे आराम करने चली जाती है। कभी-कभी बगीचे में भी घूम आती है, लेकिन ज्यादातर समय घर के अंदर ही बिताती है। उनका मानना है कि घर के अंदर सुरक्षित माहौल, अच्छा खाना, साफ पानी और भरपूर प्यार ही मिली की लंबी उम्र का राज हैं। अब उनका सबसे बड़ा सपना है कि मिली का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो। हालांकि, सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि उसकी सही उम्र साबित करने के लिए प्रमाण आधिकारिक दस्तावेज मौजूद नहीं हैं। फिलहाल उनके पास सिर्फ 1995 को वह पुरानी तस्वीर है, जिसे देखकर उन्हें उम्मीद है कि एक दिन दुनिया भी मिली की इस अनोखी कहानी को ऑफिशियल तौर पर स्वीकार करेगी।

दुनिया के सबसे बड़े देश पर मकड़ियों ने किया अटैक

मास्को। रूस इन दिनों एक ऐसे खतरे का सामना कर रहा है, जिसकी किसी ने कल्पना की नहीं की थी। दुनिया के सबसे बड़े देश के कई हिस्सों में पहली बार जहरीली ब्लैक विडो मकड़ियां देखी गई हैं। इन मकड़ियों की मौजूदगी ने वैज्ञानिकों, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मौजूदा परिस्थितियां बनी रहें तो आने वाले समय में ये मकड़ियां रूस के और भी उत्तरी इलाकों के साथ-साथ राजधानी मास्को तक स्थायी रूप से पहुंच सकती हैं। हाल ही में रूस के कई क्षेत्रों से ब्लैक विडो मकड़ियों के देखे जाने की खबरें सामने आई हैं। इनमें ओरेनबर्ग, कुर्गान, नोवोसिबिर्स्क, ओम्स्क, सारातोव और सverdlovsk जैसे इलाके शामिल हैं। खास बात यह है कि इन क्षेत्रों में पहले कभी इस प्रजाति की मौजूदगी दर्ज नहीं की गई थी। यही वजह है कि वैज्ञानिक इस बदलाव को गंभीरता से ले रहे हैं। रूसी कीट वैज्ञानिक एप्पोदोर मार्टीनोवचेंको के अनुसार, ब्लैक विडो मकड़ियां अब उन इलाकों में भी दिखाई दे रही हैं जहां पहले का मौसम इनके जीवित रहने के लिए अनुकूल नहीं माना जाता था।

